Closure of Newspapers

275. SHRI JAGIR SINGH DARD:
DR.SHRIKANT RAM-CHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of INFORMATION & BROADCASTING be pleased to state;

(a) how many newspapers and their editions have closed down their publications during the the last two years, what are their names and places of publication;

(b) what is the reason for this closure; and

(c) what steps are being taken to help the newspapers and to save them from closure?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI CM. IBRAHIM): (a) and (b) The publisher of newspaper/periodicals are not required under any provision of the Press and Registration of Books Act, 1867 to intimate the office of Registrar of Newspapers for India (RNI) about the closure of newspapers/periodicals and the reasons therefor. During the last two years, only one weekly, namely, Deepika Azhchapathipu, a Malayalam weekly, which was being published from Kottayam, Kerala, has voluntarily sent intimation of its closure. No reasons, however, were intimated.

(c) Does not arise.

केन्द्रीय औषधि भंडार डिपो की अवस्थिति

*276. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में केन्द्रीय औषधि भंडार डिपो कहां-कहां स्थापित किए गए है?

(ख) इन औषधि भंडारों ने वर्ष 1991-92 से 1995-96 तक की अवधि में कितने मूल्य की दवाइयां खरीदीं और इसी अवधि में इनके द्वारा केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों को कितने-कितने मूल्य की दवाइयों की आपूर्ति की गई?

(ग) किन-किन राज्य सरकारों ने इस औषधि भंडारों से दवाइयां लेने की पद्धति कब से बंद कर दी है और इसके क्या कारण है? और

(घ) राज्य सरकारों को उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता वाली दवाइयों की आपूर्ति करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं और कौन-कौन सी योजनाएं तैयार की जा रही है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राजय मंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाये जाने वाले केन्द्र सरकार के चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, मुम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली, मद्रास, हैदराबाद, गुवाहाटी और करनाल में स्थित है।

(ख) 1991-92 से 1995-96 तक की अवधि के दौरान विभिन्न सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपों द्वारा क्रय की गई औषधियों की कुल लागत 584.11 करोड़ रुपये थी। इसी अवधि के दौरान सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपुओं द्वारा केन्द्र सरकार के संगठनों को आपूर्ति की गई औषधियों की लागत 274.97 करोड़ रुपये और राज्य सरकार के संगठनों को आपूर्ति की गई औषधियों की लागत 348.56 करोड़ रुपये थी। इसमें रख-रखाव तथा वास्तविक परिवहन प्रभार की लागत में 10 प्रतिशत शामिल है।

(ग) इस संबंध में सूचना इस प्रकार है:—

क्र० सं०	राज्य का नाम	बन्द करने का वर्ष
1.	हरियाणा	1987-88
2.	पंजाब	1988
3.	बिहार	1995-96
4.	महाराष्ट्र	1985
5.	दिल्ली	1996
6.	पश्चिम बंगाल	काफी पहले से
7.	आन्ध्र प्रदेश	1992-93
8.	मध्य प्रदेश	1986
9.	तमिलनाडु	1982
10.	गुजरात	1986
11.	गोवा	1995

राज्यों ने औषधियों की आपूर्ति बन्द करने के लिए कोई कारण नहीं दिया है।